VSA
A Real English Medium School
VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL
An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce
Little Steps
Pre Primary wing of VSA
W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Worksheet for Subject –Sanskrit **Class-VIII**

व्यंजन संधि की परिभाषा

- जब संधि करते समय व्यंजन के साथ स्वर या कोई व्यंजन के मिलने से जो रूप में परिवर्तन होता है, उसे ही व्यंजन संधि कहते हैं।
- यानी जब दो वर्णों में संधि होती है तो उनमे से पहला यदि व्यंजन होता है और दूसरा स्वर या व्यंजन होता है तो उसे हम व्यंजन संधि कहते हैं।

व्यंजन संधि के कुछ उदाहरण :

- दिक् + अम्बर = दिगम्बर
- अभी + सेक = अभिषेक
- दिक् + गज = दिग्गज
- जगत + ईश = जगदीश

व्यंजन संधि के नियम :

नियम 1:

- जब किसी वर्ग के पहले वर्ण **(क्, च्, ट्, त्, प्)** का मिलन किसी वर्ग के तीसरे या चौथे वर्ण से या **(य्, र्, ल्, व्, ह)** से य किसी स्वर से हो जाये तो **क्** को **ग्** , **च्** को **ज्** , **ट्** को **ड्** , **त्** को **द्** , और **प्** को **ब्** में बदल दिया जाता है।
- अगर व्यंजन से स्वर मिलता है तो जो स्वर की मात्रा होगी वो हलन्त वर्ण में लग जाएगी।
- लेकिन अगर व्यंजन का मिलन होता है तो वे हलन्त ही रहेंगे।

<u>उदाहरण :</u>

- **क् का ग् में परिवर्तन :**
  - वाक् +ईश : वागीश
  - दिक् + अम्बर : दिगम्बर
  - दिक् + गज : दिग्गज
- **ट् का ड् में परिवर्तन :**

नियम 3:

- जब त् का मिलन ग, घ, द, ध, ब, भ, य, र, व से या किसी स्वर से हो तो द् बन जाता है।
- म के साथ क से म तक के किसी भी वर्ण के मिलन पर ' म ' की जगह पर मिलन वाले वर्ण का अंतिम नासिक वर्ण बन जायेगा।

<u>उदाहरण :</u>

- **म्** का **(क ख ग घ ङ)** के साथ मिलन :
  - सम् + कल्प : संकल्प/सटङ्कल्प
  - सम् + ख्या : संख्या
  - सम् + गम : संगम
  - शम् + कर : शंकर
- **म्** का **(च, छ, ज, झ, ञ)** के साथ मिलन :
  - सम् + जीवन : संजीवन
  - सम् + चय : संचय
  - किम् + चित् : किंचित
- **म्** का **(ट, ठ, ड, ढ, ण)** के साथ मिलन :
  - दम् + ड : दंड
  - खम् + ड : खंड
- **म्** का **(त, थ, द, ध, न)** के साथ मिलन :

नियम 4 :

- **त्** से परे **च्** या **छ्** होने पर **च**, **ज्** या **झ्** होने पर **ज्**, **ट्** या **ठ्** होने पर **ट्**, **ड्** या **ढ्** होने पर **ड्** और **ल** होने पर **ल्** बन जाता है।
- **म्** के साथ **(य, र, ल, व, श, ष, स, ह)** में से किसी भी वर्ण का मिलन होने पर '**म्**' की जगह पर अनुस्वार ही लगता है।

<u>उदाहरण :</u>

- सम् + वत् : संवत्
- तत् + टीका : तट्टीका
- उत् + डयन : उड्डयन
- सम् + शय : संशय

नियम 5:

- जब **त्** का मिलन अगर **श्** से हो तो **त्** को **च्** और **श्** को **छ्** में बदल दिया जाता है। जब **त्** या **द्** के साथ **च** या **छ** का मिलन होता है तो **त्** या **द्** की जगह पर **च्** बन जाता है।

<u>उदाहरण:</u>

G 4G 0.1K/s ••• 10:52 AM 58%
व्यंजन संधि किसे कह...
n hindi.theindianwire.com

नियम 8:

- अगर म् के बाद क् से लेकर म् तक कोई व्यंजन हो तो म् अनुस्वार में बदल जाता है।
- त् या द् के साथ जब ल का मिलन होता है तब त् या द् की जगह पर 'ल्' बन जाता है।

उदाहरण :

- तत् + लीन = तल्लीन
- विद्युत् + लेखा = विद्युल्लेखा
- किम् + चित = किंचित
- उत् + लास = उल्लास

नियम 9 :

- म के बाद य, र, ल, व, श, ष, स, ह में से कोई एक व्यंजन हो तो म् अनुस्वार में बदल जाता है।

VIEW 10 RELATED PAGES